सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 94
04/02/2018

एन0आई0टी0 पटना, देश का सर्वश्रेष्ठ एन0आई0टी0 बने :– मुख्यमंत्री

पटना, 04 फरवरी 2018 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज एन0आई0टी0 पटना के हेल्थ सेंटर सह एकेडमिक ब्लॉक का फीता काटकर उदघाट्न किया। तत्पश्चात बी0सी0ई0– एन0आई0टी0 एल्यूमिनी सोसाइटी द्वारा आयोजित वार्षिक एल्यूमिनी मिलन समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर उदघाट्न किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि फरवरी के पहले रविवार को होने वाले इस सम्मेलन में आने का मौका मिलता रहा है। पहले यहां छात्राएं नहीं पढ़ती थीं लेकिन बाद में छात्रों के साथ–साथ छात्राओं का भी नामांकन होने लगा। आज 60, 50 एवं 25 वर्ष पहले उत्तीर्ण होने वाले बहुत सारे छात्र–छात्राओं जिन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया है, उनसे मिलकर मुझे खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग कॉलेज के रुप में वर्ष 1924 से स्थापित हुआ था। आज यह एन0आई0टी0 के रुप में स्थापित है, इसके लिए मैंने अटल जी की सरकार में केंद्रीय मंत्री के रुप में रहते हुए व्यक्तिगत तौर पर काफी प्रयास किया था। पहले इसमें विद्यार्थियों की क्षमता 500 हुआ करती थी लेकिन आज इसकी क्षमता 3500 हो गई है। अब इस कॉलेज के नए साइट के लिए 125 एकड़ भूमि का आवंटन किया गया है। आवंटित भूमि पर 6000 छात्रों की क्षमता वाले संस्थान का तीन फेज में निर्माण किया जाना है। नया कैंपस जल्द से जल्द विकसित होगा। केंद्र सरकार ने इसके लिए 500 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। केंद्रीय मंत्री से और राशि के आवंटन के बारे में हम अनुरोध करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एन0आई0टी0 के साथ राज्य सरकार को डिजास्टर मैनेजमेंट जैसी चीजों पर काम करना है। राज्य को हमेशा बाढ़ की त्रासदी झेलनी पड़ती है। पिछले साल नेपाल से सटे राज्य के जिले विशेषकर पश्चिम चंपारण, पूर्वी चम्पारण, अररिया, किशनगंज आदि में बाढ़ से भारी नुकसान हुआ था। यह फ्लैश फ्लड था। गंगा नदी के किनारे अवस्थित जिले भी बाढ़ से प्रभावित होते हैं। गंगा नदी का प्रवाह अविरल बना रहे, इस पर काम करने की जरुरत है। गंगा नदी में सिल्ट बढ़ता जा रहा है। केंद्रीय मंत्री से मैंने इसके बारे में कहा था। केंद्र सरकार ने अविरलता के अध्ययन के लिए एक कमेटी बनायी है, जिसमें राज्य सरकार के प्रतिनिधि शामिल हैं। बिहार में 400 क्यूमेक्स पानी आना है और फरक्का को 1600 क्यूमेक्स पानी देना है लेकिन चौसा के पास जिस फ्लो में गंगा नदी में पानी का बहाव होना चाहिए, वो नहीं हो पाता है यानी 400 क्यूमेक्स तक पानी नहीं आ पाता है। पानी का नॉर्मल फ्लो नहीं होने के कारण सिल्ट डिपॉजिट होता है, जिसके कारण बिहार में बाढ़ तथा नीचे बंगाल में काफी कटाव होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई में लोग डिजाइन, स्ट्रक्चर वगैरह पर विशेष ध्यान देते हैं। मैं एन0आई0टी0 से कहना चाहता हूं कि नेचुरल चीजें, इन्वायरमेंट आदि पर भी ध्यान रखने की जरुरत है। इन सब

चीजों का अध्ययन करना चाहिए, जिससे पुराने आंकड़े अपडेट होंगे। राज्य में गंगा, गंडक, सोन, कोसी जैसी नदियां हैं, जिस पर अध्ययन करने की जरुरत है। हमलोगों ने निर्णय लिया उसके बाद आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय में रिवर सिस्टम के अध्ययन के लिए इंस्टीच्यूट बन रहा है। डाटा अपडेट रहने से बनने वाले प्रोजेक्ट को लाभ मिलेगा। इन सब चीजों के अध्ययन से एन0आई0टी0 की अपनी अलग तरह की छवि बनेगी। राज्य सरकार से जो भी सहायता की जरुरत होगी, वह मिलेगा। इस कॉलेज से मेरा व्यक्तिगत तौर पर भावनात्मक लगाव रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री मानस बिहारी वर्मा जी जो वर्ष 1965 में यहां से पास हुए थे, उनको पद्मश्री से सम्मानित किया गया है, यह हम सभी के लिये गौरव की बात है। श्री मानष बिहारी वर्मा इस गौरव को प्राप्त करने वाले कॉलेज के पहले छात्र हैं। इन्होंने कलाम साहब के साथ भी काम किया है। इसके लिये मुझे बेहद खुशी हो रही है। मुझे यहां आने पर कई चीजों को जानने–समझने का मौका मिलता है। नई पीढ़ी के इंजीनियर क्या सोचते हैं, यह जान पाते हैं। मुझे भी जो सुझाव लगता है, आप लोग के समक्ष रखते हैं, जैसा कि रिवर सिस्टम के बारे में अभी अपनी बातों को रखा है। उन्होंने कहा कि एन0आई0टी0 पटना, देश का सर्वश्रेष्ठ एन0आई0टी0 बने, इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एक विशेष पत्रिका का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती छात्रों– श्री बजरंग सहाय, श्री मानस बिहारी वर्मा, अमेरिका से आए श्री एस0एम0 झा, गोल्डेन जुबली के छात्र श्री नंदकिशोर सहाय, श्री अवध प्रसाद सिंह, हीरक जयंती (60वीं वर्षगांठ) के छात्र प्रो0 एन0के0 तरफदार सहित पूर्ववर्ती छात्र श्री नंद शर्मा, श्री विश्वनाथ चौधरी, श्री चंदेश्वर शर्मा, श्री जयनंदन प्रसाद सिन्हा, श्री विनोद प्रसाद सिन्हा, श्री एस0एन0 रजक, श्री आर0के0 महतो, श्री सुनील कुमार, श्री पी0एस0 रमेश को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। साथ ही वर्ष 2017 में अव्वल आने वाले इलेक्ट्रानिक विभाग के छात्र श्री शिवाजी कांत, सिविल विभाग के श्री दीपक कुमार, इलेक्ट्रिकल विभाग के लिए श्री अनिकेश कुमार तथा सर्वश्रेष्ठ विभाग के रूप में सिविल इंजीनियरिंग विभाग को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर बी0सी0ई0–एन0आई0टी0 एल्यूमिनी सोसायटी के अध्यक्ष श्री रविशंकर सिन्हा, सचिव श्री गिरिश कुमार चौधरी, कोषाध्यक्ष श्री संतोष कुमार, विशिष्ट अतिथि पद्मश्री मानस बिहारी वर्मा, एन0आई0टी0 के निदेशक श्री प्रदीप कुमार जैन ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

******